पर्वतीय किसान व्हट्सएप और एसएमएस से ले रहे जानकारी

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

लॉकडाउन की वजह से खरीफ मेले का आयोजन न होने से निराश किसानों के लिए विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने उन्हें नई तकनीक और उन्नत प्रजाति के बीजों की जानकारी व्हट्सएप और एसएमएस द्वारा देना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही मोबाइल किसान सेवा भी शुरू की गई है।

विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की ओर से हर साल मार्च-अप्रैल माह में खरीफ मेले का आयोजन अल्मोड़ा के हवालबाग में किया जाता है। जिसमें किसानों को कृषि संबंधित जानकारी उपलब्ध करायी जाती है। ताकि पर्वतीय जनपदों में किसान छोटी जोत में भी ज्यादा से ज्यादा उत्पादन कर सकें।

इस बार कोरोना संक्रमण और लॉकडाउन की वजह से मेला टलने से किसानों में मायूसी थी। इसको देखते हुए विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने व्हट्सएप

विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने शुरू की सेवा

मोबाइल किसान सेवा भी शुरू

ग्रप और एसएमएस के माध्यम से किसानों को जानकारी देना शुरू कर दिया है। है। इसके लिए अनुसंधान संस्थान ने व्हट्सएप ग्रुप के अलावा मोबाइल किसान सेवा भी शुरू की है। इसके माध्यम से अब तक एक लाख से ज्यादा किसानों को फसलों की कटाई, निराई और गुड़ाई के बारे में जानकारी उपलब्ध करायी जा चुकी है। किसानों को सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क पर विशेष रूप से फोकस करने को कहा गया है। इसके इतर किसानों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन सेवा भी शुरू की गई है। जिसमें कृषि से संबंधित किसानों के सवालों का जवाब दिया जा रहा है। साथ ही, कोरोना महामारी की वजह से लौटे प्रवासी भी हेल्पलाइन सेवा के माध्यम से फसलों के बारे में जानकारी ले रहे हैं।

'लॉकडाउन की वजह से खरीफ मेले का आयोजन नहीं किया गया है। लेकिन किसानों की मदद के लिए व्हट्सएप ग्रुप, मोबाइल किसान सेवा और हेल्पलाइन सेवा शुरू की गई है। कम समय में लाखों किसान इससे जुड़ चुके हैं।'

- डा. लक्ष्मीकांत, निदेशक, विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान